ॐ जय साईं हरे बाबा शिरडी साईं हरे

ॐ जय साईं हरे बाबा शिरडी साईं हरे,
भक्तजनों के कारण उनके कष्ट निवारण,
शिरडी में अवतरे ॐ जय साईं हरे,
ॐ जय साईं हरे...

दुखियन के सब कष्टन काजे, शिरडी में प्रभु आप विराजे,
फूलों की गल माला राजे कफनी, शैला सुन्दर साजे,
कारज सब के करें ॐ जय साईं हरे ,
ॐ जय साईं हरे...

काकड़ आरत भक्तन गावें गुरु शयन को चावड़ी जावें,
सब रोगों को उदी भगावे गुरु फकीरा हमको भावे,
भक्तन भक्ति करें ॐ जय साईं हरे,
ॐ जय साईं हरे...

हिन्दु मुस्लिम सिक्ख इसाईं बौद्ध जैन सब भाई भाई,
रक्षा करते बाबा साईं शरण गहे जब द्वारिकामाई,
अविरल धूनि जरे, ॐ जय साईं हरे,
ॐ जय साईं हरे...

भक्तों में प्रिय शामा भावे हेमडजी से चरित लिखावे,
गुरुवार की संध्या आवे शिव, साईं के दोहे गावे,
अंखियन प्रेम झरे ॐ जय साईं हरे ॥
ॐ जय साईं हरे...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22130/title/om-jai-sai-hare-baba-shirdi-sai-hare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |